संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो): (क) से (घ) जानकारी एकत्र की जा रही है और इसे सभा पटल पर रख दिया जाएगा।

ध्वनिरहित टैलेक्स सेवाओं के लिए उपभोक्ता ग्राहक सेवा केन्द्र

521. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया**: क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड ने ध्वनिरहित टैलेक्स सेवाओं के लिये एक पृथक उपभोक्ता ग्राहक सेवा केन्द्र स्थापित किया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि यह नया केन्द्र दिल्ली के लिये पहला ब्यूरो-फैक्स केन्द्र होगा; और

(ग) उन राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्टेशनों के नाम क्या हैं जिनके लिये यह सेवा उपलब्ध होगी?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो): (क) और (ख) दिल्ली में महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड द्वारा फैक्स सेवा प्रदान करने के लिए अलग से एक ग्राहक सेवा केन्द्र खोला गया है। दिल्ली में केन्द्रीय तार घर एवं विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा ब्यूरोफैक्स सेवाएं भी प्रदान की जाती है।

(ग) ये सुविधाएं राज्यों की राजधानियों तथा महानगरों सहित विभिन्न स्थानों में स्थित लगभग 50 केन्द्रीय तार घरों में उपलब्ध हैं। यह सेवा देश में राष्ट्रीय उपभोक्ता डायलिंग के माध्यम से 635 स्थानों तथा अन्तर्राष्ट्रीय उपभोक्ता डायलिंग के माध्यम से 177 देशों के लिए सुलभ हो सकती है, बशर्ते कि दूसरे सिरे पर संपर्क हेतु फैक्स-मशीन उपलब्ध हो।

दिल्ली में खाना पकाने की गैस के सिलेंडरों की फटने की घटनायें

522. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया**: क्या **पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले 3 वर्षों में दिल्ली में खाना पकाने की गैस के सिलेण्डर की फटने की कितनी घटनाएं हुईं;

(ख) इन घटनाओं में से प्रत्येक घटना के परिणामस्वरूप जान और माल की कितनी हानि हुई;

(ग) क्या यह सच है कि अधिकतर मामलों में एल० पी० जी० के वितरकों द्वारा दोषपूर्ण गैस सिलेन्डरों की सप्लाई किये जाने के कारण दुर्घटनाएं हुईं; और

(घ) भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त): (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली में सिलिंडर फटने की दो वारदातें हुई हैं जिसके कारण किसी की भी जान नहीं गई परन्तु 30,000 रुपए की सम्पत्ति की हानि हुई।

(ग) जी, नहीं, दोनों की घटनाएं बाहर से आग लगने के कारण हुईं।

(घ) समाचार पत्रों, टेलीविजन, रेडियो, उपभोक्ता गोष्ठियों, सुरक्षा क्लिनिकों तथा इश्तिहार बांटकर उपभोक्ताओं को एल०पी०जी० सिलिंडरों के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी जाती है। तेल कम्पनियों द्वारा लगातार आधार पर एल०पी०जी० वितरकों तथा उनके डिलीवरी मैनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाये जाते हैं।

संसद सदस्यों के पत्रों का निपटान

523. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया**: क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उनके मंत्रालय में संसद सदस्यों से प्राप्त कितने पत्र 3 महीने, 3-6 महीने, 6-9 महीने, और एक वर्ष से भी अधिक समय से पड़े हैं; और

(ख) उनको लंबित रखने के क्या कारण हैं तथा इन पत्रों का शीघ्र उत्तर दिये जाने को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाये जाने का विचार है?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो): (क) और (ख) माननीय संसद सदस्यों के पत्र डाक एवं दूरसंचार निदेशालयों के साथ-साथ अधीनस्थ कार्यालयों में भी प्राप्त होते हैं।

अपेक्षित सूचना देने के लिए विभाग में कोई आंकड़े नहीं रखे जाते।

Power deficit in the Eighth Plan

524. SHRI SHANKER SINH VAGHELA:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether in the State Power Ministers' conference in January last, he had

stated that the power deficit at the end of the Eighth Five Year Plan Period would increase by almost 100% from the existing level, despite the massive investment envisaged in the sector;

(b) what is the present State-wise power deficit;

(c) what steps are being taken to meet the situation and with what results; and

(d) what is the estimated impact on the industrial and agricultural sectors of the 100% increase in the present power deficit?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI): (a) No, Sir. The Minister for Energy had stated that the energy deficit at the end of the Eighth plan period is expected to be about 2%.

(b) Statewise power deficit is given in the enclosed statement. [*See* Appendix CXLIX, Annexure No 20].

(c) An additional generating capacity of about 38,000 MW has been tentatively envisaged for commissioning during the Eighth Plan period. For optimum utilisation of existing installed capacity, renovation and modernisation of some of the existing Thermal and Hydro power stations has been/is being undertaken. Reduction in transmission and distribution losses, efficient load management and energy conservation are some of the other measures which would improve the availability of power.

(d) Does not arise in view of the reply to part (a).

Difference in power tariffs

525. SHRI SHANKER SINH VAGHELA:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) how do the present average costs of generations/supply of electricity compare in various States;

(b) what are the average estimated agricultural tariffs in different States; and

(c) whether it is fact that farmers of Andhra Pradesh have to pay about 1/3rd of the tariff as paid by farmers of Rajasthan; if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI KALPNATH RAI): (a) The average cost of generation and supply of different State Electricity Boards during 1987-88 is given in Col. 3 of the statement at Annexure.

(b) The tariff, for power supply to agricultural pumpsets, has been fixed under two distinct system:—

(a) Flat tariff, based on a monthly/annual charge per BHP relating to the rating of the pumpset, irrespective of the quantum of power consumed.

(b) On the basis of metered consumption at a prescribed tariff per unit of power.

The annual tariff, on the basis of a flat tariff for a 5 HP pumpset and average revenue realised per kwh for supply to agricultural consumers, are indicated in Cols. 4, 5 and 6 of the Statement at Annexure.

(c) The details are contained in the statement at Annexure. [*See* Appendix CXLIX, Annexure No 21].

राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों का सम्मेलन

526. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया:** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों का एक सम्मेलन दिल्ली में हुआ था;

(ख) यदि हां, तो इस सम्मेलन में किन-किन महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार किया गया; और

(ग) इस सम्मेलन में लिए गए विभिन्न निर्णयों का ब्यौरा क्या है?